Reg No 177/2008-2009 ISSN: 2322–0317

PSSH PERSPECTIVE of SOCIAL SCIENCES and HUMANITIES

An International Multidisciplinary Refereed Research Journal

VOL 2, NO 2

JULY - DECEMBER 201

Biannual

Editor

Dr Hemant Kumar Singh

Assistant Professor

Economics Department

Madan Mohan Malviya PG College

Deoria (UP)

Publisher

Herambh Welfare Society

Varanasi (India)

जनपद मीरजापुर, उ०प्र० में ग्रामीण लिंगानुपात : एक भौगोलिक अध्ययन

डॉ० सुनीता सिंह - डॉ० दिलीप कुमार सिंह

जनसंख्या के अध्ययन में लिंगानुपात का अध्ययन अतिआवश्यक है। लिंगानुपात का तात्पर्य जनसंख्या में स्त्रियों और पुरूषों के पारस्परिक अनुपात से है (Bracley, 1969)। किसी भी प्रदेश की सामाजिक स्थिति तथा अर्थव्यवस्था में स्त्री–पुरूष अनुपात की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फ्रैंकलिन (1956) के अनुसार, लिंगानुपात किसी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का एक सूचक है तथा प्रादेशिक विश्लेषण के लिए अत्यन्त लाभदायक यंत्र है। लिंगानुपात का प्रभाव प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से विभिन्न जनांकिकीय तत्वों– जनसंख्या परिवर्तन, प्रजननता, मर्त्यता, विवाह, व्यावसायिक संरचना आदि पर पड़ता है। ट्रिवार्था (1953) के अनुसार, किसी क्षेत्र के भौगोलिक विश्लेषण के लिए स्त्री–पुरूष अनुपात मूलाधार है क्योंकि यह भूदृश्य का एक महत्वपूर्ण लक्षण ही नहीं बल्कि यह अन्य जनांकिकीय तत्वों को भी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है।

स्त्री–पुरूष अनुपात में विषमता के कारण कई सामाजिक समस्याएँ, जैसे–वेश्यागमन, बलात्कार, व्यभिचार इत्यादि उत्पन्न हो जाती हैं। ये समाज के लिए कलंक है, जिससे समाज का नैतिक, सामाजिक और शारीरिक अधःपतन हो जाता है। यही नहीं यदि स्त्रियों की तुलना में पुरूषों की संख्या अधिक हो तो बाल–विवाह को प्रोत्साहन मिलता है। बाल–विवाह के कारण पति एवं पत्नी की आयु में काफी अंतर हो जाता है जिससे वैध्व्य (Widowhod) की सम्भावना बढ़ती है (खरे, 1985: 55) तथा पति–पत्नी की आपसी सामंजस्य भी प्रभावित होता है।

विश्व के विभिन्न देशों में लिंगानुपात को प्रकट करने के तरीकों में अन्तर पाया जाता है। लिंगानुपात प्रति 100 या 1000 स्त्री/पुरूष पर स्त्रियों की संख्या के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। भारत में, जनसंख्या में प्रति 1000 पुरूषों, की तुलना में स्त्रियों की संख्या को स्त्री–पुरूष अनुपात (Sex-Ratio) के रूप में परिभाषित किया गया है। इसे प्रति 1000 पुरूषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है (Census of India)। इस अनुपात को निम्न सूत्र से ज्ञात करते हैं।

$$\text{स्त्री–पुरूष अनुपात (Sex Ratio)} = \frac{\text{स्त्रियों की संख्या}}{} \times 1000$$

पुरूषों की
संख्या

अध्ययन क्षेत्र

भौतिक पर्यावरण किसी स्थान विशेष के उच्चावच जलवायु, अपवाह, मिट्टी तथा वनस्पति के समन्वित अध्ययन के रूप में जाना जाता है। मानव का उसके भौतिक पर्यावरण से जटिल सम्बन्ध है। भौतिक पर्यावरण का विश्लेषण मानव तथा भौतिक तत्वों के मध्य अन्तर्सम्बन्धों का अध्ययन है जिसके अन्तर्गत मनुष्य एवं उसके समाज के उद्भव एवं विकास प्रक्रिया पर पड़ने वाले, पृथ्वी के भौतिक तत्वों के प्रभावों की विवेचना की जाती है (Ahmad,1958)। अतः भौतिक पर्यावरण से अभिप्राय किसी क्षेत्र की स्थिति एवं विस्तार, भूगर्भिक संरचना, भ्वाकृतिक दशाएँ, अपवाह तंत्र, मिट्टी तथा वनस्पति के वितरण आदि तथ्यों के अध्ययन से है। मनुष्य के कार्यप्रणालियों की प्रकृति एवं वितरण पर भौतिक पर्यावरण के प्रभावों का अध्ययन भूगोल का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है (Wisher, 1932:439)। किसी भी क्षेत्र का विकास, कृषि, अर्थव्यवस्था सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास मूलतः भौतिक पर्यावरण पर निर्भर करते हैं (Millar,1949)। प्रस्तुत अध्ययन में मीरजापुर जनपद की जनसंख्या एवं उसकी विशेषताओं को प्रभावित करने वाले भौतिक कारकों का अध्ययन किया गया है।

मीरजापुर जनपद $24^0$35′ 30′′ उत्तरी अक्षाँश से $25^0$16′30′′ उत्तरी अक्षाँश तथा $82^0$7′ से $83^0$13′ पूर्वी देशान्तर के मध्य उत्तर प्रदेश के दक्षिणी पूर्वी भाग में स्थित है। जनपद के उत्तर में वाराणसी तथा सन्त रविदास नगर (भदोही), पूर्व में चन्दौली जनपद, दक्षिण–पूर्व में सोनभद्र, दक्षिण–पश्चिम में सीधी और रीवां जनपद (मध्य प्रदेश) तथा पश्चिम में इलाहाबाद जनपद स्थित है। जनपद का सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्रफल 4851.9 वर्ग किमी0 एवं कुल जनसंख्या 2116042 (1115249 पुरूष, 1000793 महिला) है (जनगणना 2011)।

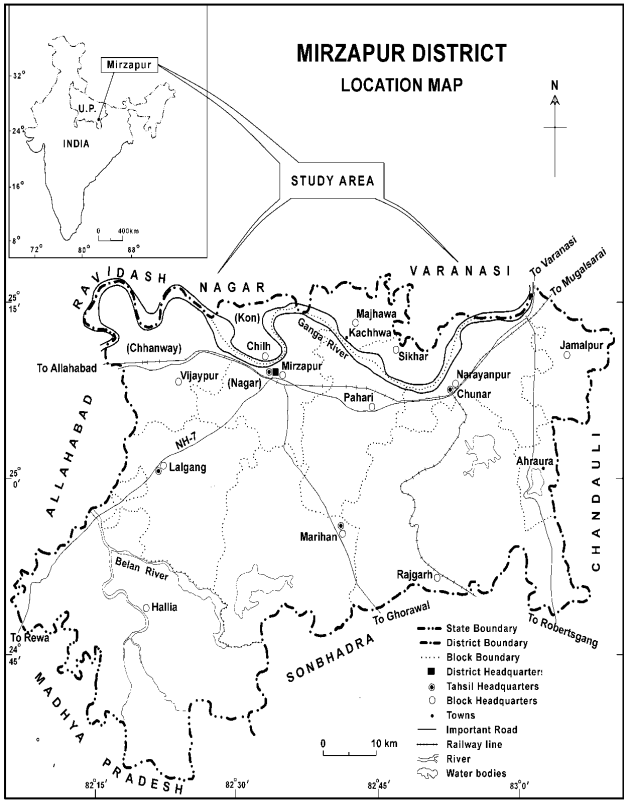
MIRZAPUR DISTRICT
LOCATION MAP
N
Mirzapur
U.P.
INDIA
STUDY AREA
RAVIDASH NAGAR
VARANASI
To Varanasi
To Mugalsarai
(Kon)
Majhawa
Kachhwa
Ganga River
Sikhar
Jamalpur
(Chhanway)
Chilh
To Allahabad
Mirzapur
Vijaypur
(Nagar)
Narayanpur
Chunar
Pahari
ALLAHABAD
NH-7
Lalgang
Ahraura
CHANDAULI
Marihan
Belan River
Rajgarh
Hallia
To Ghorawal
To Robertsgang
To Rewa
SONBHADRA
MADHYA PRADESH
State Boundary
District Boundary
Block Boundary
District Headquarter
Tahsil Headquarters
Block Headquarters
Towns
Important Road
Railway line
River
Water bodies
0 10 km
82°15′
82°30′
82°45′
83°0′
25° 15′
25° 0′
24° 45′

तालिका 1.1 जनपद में लिंगानुपात

Year	Sex Ratio			Change			Sex Ratio U.P.			India Sex Ratio
	Total	Rural	Urban	Total	Rural	Urban	Total	Rural	Urban	Total
1911	1045	1044	1023	-	-	-	938	940	917	972
1921	1023	1026	910	-22	-18	-113	915	922	853	964
1931	1003	1074	922	-20	+48	+12	909	917	825	955
1941	999	1013	891	-4	-61	-31	904	917	807	950
1951	1002	1011	933	+3	-2	+42	907	923	804	945
1961	984	987	913	-18	-24	-20	910	925	820	946
1971	961	973	838	-23	-14	-75	919	924	822	941
1981	913	921	864	-48	-52	+26	879	889	821	930
1991	897	904	854	-16	-17	-10	885	893	846	927
2001	883	886	866	-14	-18	+12	898	884	860	933
2011	897	901	876	+14	+14	+11	908	904	876	940

Source

- Census of India , 1991, Ser.25, Statement-3, pp.-231-236
- Primary census obstract 2011, ser.1
- Census of India, 1981 & 1991, ser.25, part-IV A-C, Socio- Culture tables

जनपद में लिंगानुपात (Total Sex-Ratio)

अध्ययन क्षेत्र (मीरजापुर जनपद) में लिंगानुपात 2011 में 897 स्त्री/हजार पुरूष है। 1911 से 2011 तक के अवधि में जनपद में लिंगानुपात घटता–बढ़ता रहा है। यही स्थिति उत्तर प्रदेश की भी है, परन्तु जनपद से भिन्न है। जनपद में 1911 में लिंगानुपात सर्वाधिक (1045) था तथा वर्ष 1941 को छोड़कर 1911 से 2001 तक के सभी जनगणना वर्षों में लिंगानुपात में ऋणात्मक वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में लिंगानुपात 2011 में

898 है जो 1911 में 937 था जबकि भारत का लिंगानुपात 940 है (2011)।

जनपद में प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या वर्ष 1911, 1921 तथा 1931 में क्रमशः 1045, 1023 तथा 1003 थी जो कि स्त्रियों के पक्ष में थी, जबकि इस अवधि में उत्तर प्रदेश तथा भारत में लिंगानुपात स्त्रियों के पक्ष में नहीं था। 1951 के बाद से जनपद में स्त्रियों की संख्या में तीव्र गिरावट आयी है और 1991 में लिंगानुपात सबसे कम (883) था। इस अवधि (1911 से 2011) में जनपद में लिंगानुपात, 1991 को छोड़कर, उत्तर प्रदेश तथा भारत के लिंगानुपात से अधिक रहा है।

ग्रामीण लिंगानुपात (Rural Sex Ratio)

जनपद में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के लिंगानुपात में काफी अन्तर देखने को मिलता है। स्पष्ट होता है कि ग्रामीण लिंगानुपात 1911 से 1951 तक की अवधि में स्त्रियों के पक्ष में रहा है इसके बाद इसमें निरंतर कमी होती गयी और 1991 में न्यूनतम स्तर पर (886) रहा है और फिर 2011 में बढ़कर प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 901 हो गयी है। जनपद में ग्रामीण लिंगानुपात उत्तर प्रदेश के ग्रामीण लिंगानुपात से सभी वर्षों में उच्च रहा है।

विकासखण्ड स्तर पर लिंगानुपात 1991 में सबसे अधिक (941) सीखड़ में तथा सबसे कम (873) कोन विकासखण्ड में था। 2001 में भी सबसे अधिक लिंगानुपात सीखड़ विकासखण्ड में तथा सबसे कम कोन विकासखण्ड में था। 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद में छः विकासखण्डों (कोन, मीरजापुर नगर, पहाड़ी, लालगंज, हलिया तथा मड़िहान) में लिंगानुपात जनपद के ग्रामीण लिंगानुपात (886) से कम रहा है। 2001 की तुलना में 2011 में सभी विकासखण्डों के लिंगानुपात में धनात्मक वृद्धि हुई है। सबसे अधिक लिंगानुपात राजगढ़ (917) तथा सबसे कम कोन (869) में है।

तालिका 1.2 : जनपद मीरजापुर : विकासखण्डवार लिंगानुपात

	विकासखण्ड	1991	2001	2011	वृद्धि 2001–2011
1	छानवे	937	900	903	+3
2	कोन	873	860	869	+9
3	मझवाँ	918	907	910	+3
4	मीरजापुर नगर	880	864	870	+6

5	पहाड़ी	885	885	900	+15
6	लालगंज	891	875	889	+14
7	हलिया	895	874	896	+22
8	मड़िहान	896	883	904	+21
9	राजगढ़	897	888	920	+32
10	सीखड़	941	913	911	-2
11	नरायनपुर	907	892	908	+16
12	जमालपुर	912	890	901	+27
ग्रामीण		**904**	**886**	**901**	+**15**
नगरीय		**854**	**866**	**876**	+10
जनपद		**897**	**883**	**897**	+14

Source

- Sensus of India, 1981&1991, ser.25, Socio-Cultural Tables.
- जिला जनगणना पुस्तिका, 1991
- जिला सांख्यिकी पत्रिका, 2005

जनपद को ग्रामीण लिंगानुपात के आधार पर तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है:

1. उच्च लिंगानुपात वर्ग (900 से अधिक)
2. मध्यम लिंगानुपात वर्ग (880 से 900)
3. निम्न लिंगानुपात वर्ग (880 से कम)

1. उच्च लिंगानुपात वर्ग

उच्च लिंगानुपात के अन्तर्गत 1991 में जनपद के पाँच विकासखण्ड छानवे (937), मझवॉ (949), सीखड़ (964), नरायनपुर (920) तथा जमालपुर (919) थे। 2001 में उच्च लिंगानुपात वर्ग में तीन विकासखण्ड छानवे (900), मझवॉ (918) तथा सीखड़ (941) थे जबकि 2011 में इस वर्ग में आठ विकासखण्ड–छानवे, मझवॉ, पहाड़ी, मड़िहान, राजगढ़, सीखड़, नरायनपुर

तथा जमालपुर हैं जहाँ लिंगानुपात 900 स्त्रियाँ प्रति हजार पुरूष से अधिक है।

तालिकाः 1:3 : ग्रामीण लिंगानुपात का श्रेणीगत विभाजन

श्रेणी	लिंगानुपात	1991	2001	2011
उच्च	900 से अधिक	छानवे, मझवॉ, सीखड़, नरायनपुर, जमालपुर	छानवे, मझवॉ, सीखड़,	छानवे, मझवॉ, पहाड़ी, मड़िहान, राजगढ़, सीखड़, नरायनपुर, जमालपुर
मध्यम	880–900	मीरजापुर नगर, पहाड़ी, लालगंज, हलिया, मड़िहान, राजगढ़	पहाड़ी, मड़िहान, राजगढ़, नरायनपुर, जमालपुर	लालगंज, हलिया
निम्न	880 से कम	कोन,	कोन, मीरजापुर नगर, लालगंज, हलिया	कोन, मीरजापुर नगर

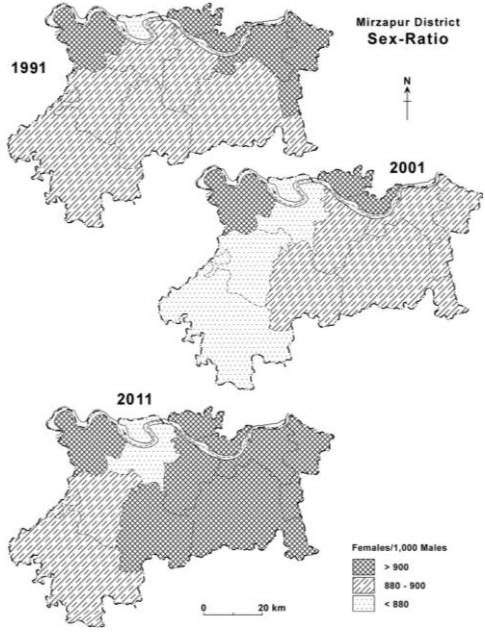

2. मध्यम लिंगानुपात (880 से 900)

1991 में जनपद के छः विकासखण्ड–मीरजापुर नगर, पहाड़ी, लालगंज, हलिया, मड़िहान तथा राजगढ़ मध्यम लिंगानुपात वर्ग में थे। 2001 में इस वर्ग में पाँच विकासखण्ड–पहाड़ी, मड़िहान, राजगढ़, नरायनपुर तथा जमालपुर थे जबकि 2011 में इस वर्ग में दो विकासखण्ड लालगंज तथा हलिया हैं जहाँ लिंगानुपात क्रमशः 889 तथा 896 स्त्रियाँ प्रति हजार पुरूष है।

3. निम्न लिंगानुपात (880 से कम)

इस वर्ग के अन्तर्गत 1991 में कोन विकासखण्ड (873) था। 2001 में लिंगानुपात में कमी के कारण इस वर्ग के अन्तर्गत चार विकासखण्ड–कोन (860), मीरजापुर नगर (864), लालगंज (875), तथा हलिया (874) आ गये। 2011 में जनपद के लिंगानुपात में पुनः सुधार हुआ और केवल दो विकासखण्डों कोन (869) तथा मीरजापुर नगर (870) में लिंगानुपात 880 स्त्रियाँ प्रति हजार पुरूष से कम है। सम्पूर्ण अवधि (1911–2011) में नगरीय लिंगानुपात, जनपद के सम्पूर्ण लिंगानुपात से कम रहा है तथा उत्तर प्रदेश में नगरीय लिंगानुपात से जनपद का नगरीय लिंगानुपात सभी जनगणना वर्षों में अधिक रहा है। 2001 तथा 2011 में उत्तर प्रदेश का नगरीय लिंगानुपात क्रमशः 860 तथा 876 स्त्रियाँ प्रति हजार पुरूष है। ग्रामीण लिंगानुपात की तुलना में नगरीय लिंगानुपात कम है।

निष्कर्ष

शिक्षा के क्षेत्र में असमानता व उसके निम्न स्तर से बचने के लिये शिक्षा प्रणालियाँ, शिक्षा के प्रति जागरूकता हेतु विकास पद्धतियों में होने वाले नियोजनात्मक स्थिति से अधिक सुदृढ़ एवं सारगर्भित बनाना होगा जिससे विकास हेतु अटल नींव (शिक्षित समाज) का निर्माण हो सके।

सन्दर्भ सूची

- Bracley, W.G. (1969) "Techniques of population Analysis" Jon wiley and sons, Inc: London, P. 21.
- Franklin, S.N. (1956), "The pattern of sex- ratio in New Zeland", Economic geography, vol. 32.
- Census of India, 2001 Primary census obstract, series-1, pp. xxvii-xxxiii.
- Bhattacharya G, P.J. and shastri, C.N. 1976, Population of India, Vikash Publishing house, Prv. Ltd, New Delhi, p.51
- खरे, पी0सी0 एवं सिन्हा, वी0सी0 (1985) सामाजिक जनांकिकी एवं भारत में जनस्वास्थ्य, पृ0 55
- चान्दना, आर0 सी0, (2006), जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली
- मौर्य, एस0 डी0 (2007) 'जनसंख्या भूगोल' शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ0 215।
- सिंह, मंगलदेव, (2002) जनपद रायबरेली में जनसंख्या परिवर्तन की गत्यत्मकता, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, बी0 एच0 यू0, वाराणसी, पृ0 218 हीरालाल, 1997, जनसंख्या भूगोल, बसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर